

दिनांक: 04.11.2015

प्रेस विज्ञप्ति

जयपुर मेट्रो बेंगलोर मेट्रो एवं चेन्नई मेट्रो से आगे

50 लाख यात्री भार का आंकड़ा पार किया

3 जून से शुरू हुई जयपुर मेट्रो के 5 माह की संचालन अवधि में 50 लाख यात्रियों ने इस प्रदूषणरहित, सुरक्षित, कम किराये तथा यात्रा समय वाली वातानुकूलित विश्वस्तरीय सार्वजनिक परिवहन सेवा से यात्रा की।

परिचालन एवं प्रणाली निदेशक सी.एस. जीनगर ने बताया कि राजस्थान की पहली एवं देश की छठी मेट्रो-जयपुर मेट्रो रेल सेवा ने अभी तक बीस हजार फेरों से 2 लाख किमी चलकर 99.8 प्रतिशत समयपालनता के साथ दुर्घटनारहित संचालन कर 50 लाख यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचाया। किसी भी नई मेट्रो रेल सेवा के लिए यह एक अच्छा उदाहरण है। जयपुर मेट्रो को इस अवधि के दौरान 5.4 करोड़ रुपये यात्री किराया राजस्व मिला।

जीनगर ने बताया कि जयपुर मेट्रो का शुरूआती 5 माह का प्रतिदिन औसत यात्री भार 33000 रहा, यद्यपि इसी शुरूआती अवधि में दिल्ली मेट्रो में 35000, बेंगलोर मेट्रो में 24500 एवं चेन्नई मेट्रो में 12500 यात्री भार ही था, जबकि इन महानगरों की आबादी जयपुर से दोगुनी से चार गुनी तक ज्यादा है। जयपुर निवासियों एवं जयपुर आने वाले पर्यटकों ने मेट्रो में यात्रा कर जयपुर मेट्रो को प्रोत्साहित किया।

जयपुर मेट्रो द्वारा गत तीन माह से शुरू किये गये शैक्षिक एवं तकनीकी भ्रमणों के विशेष अभियान के दौरान 180 स्कूलों के करीब 40000 विद्यार्थियों ने यात्रा की।

डिजिटल इंडिया मिशन के तहत अब 80 प्रतिशत से ज्यादा यात्री स्वचालित कम्प्यूटरीकृत टिकट मशीनों से स्वयं टिकट खरीद रहे हैं, जो शुरूआती माह में 10 प्रतिशत से भी कम थे। इसी क्रम में 36000 से अधिक यात्रियों ने जयपुर मेट्रो के स्मार्ट कार्ड खरीदकर, स्मार्ट यात्री के रूप में अपनी पहचान बनायी है।।

बिजली बचाओ देश बनाओ अभियान के तहत भी जयपुर मेट्रो में कई अभिनव प्रयोग कर अपने विद्युत उपभोग में करीब 33 प्रतिशत की कमी की है। जहां शुरूआती जून माह में प्रतिमाह विद्युत उपभोग 16.50 लाख यूनिट था, वह अक्टूबर माह में घटकर 11 लाख यूनिट ही रह गया है। इससे करीब चालीस लाख रुपये प्रतिमाह की बिजली व्यय में बचत हुई है।

संलग्न: पांच माह का विस्तृत विवरण

जनसम्पर्क अधिकारी